

ओपन

SEARCH

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com

Facebook | <https://www.facebook.com/opensearch.co.in>

Website | www.opensearch.co.in

RNI No.DELHIN/2015/66886

खबरें और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

Mob. : 9210092542

opensearchnews@gmail.com

वर्ष : 12

अंक : 310

नई दिल्ली, गुरुवार 15 अक्टूबर -2026

नई दिल्ली, हरियाणा, बिहार से प्रकाशित

मूल्य : 02 रुपए

पृष्ठ : 08

ओपन सर्च

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता योजना

पांच साल के लिए बढ़ायी गयी

नई दिल्ली.एजेंसी

सरकार ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम का नाम बदलकर ‘प्रधानमंत्री सामाजिक सहायता योजना’ करने के साथ ही दिव्यांगजन पेंशन के लिए दिव्यांगता पात्रता की सीमा 80 से घटाकर विकलांगता 40 प्रतिशत तथा न्यूनतम उम्र की सीमा समाप्त कर दी है।

सूचना प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परिवर्तित नाम से प्रधानमंत्री सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इस योजना पर कुल 53,428 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस फैसले से देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 3.20 करोड़ लाभार्थियों को फायदा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम का नाम बदलकर ‘प्रधानमंत्री सामाजिक सहायता योजना’ करने का निर्णय लिया है। इसी तरह, इंदिरा गांधी

आईडीबीआई बैंक का होगा पुनर्गठन, कनाडाई कंपनी 52,878 करोड़ रुपये में खरीदेगी 61 प्रतिशत हिस्सेदारी

सरकार ने आईडीबीआई बैंक को दोबारा कारोबार विस्तार के लिए पूंजी उपलब्ध कराने वाले संस्थान के रूप में पुनर्गठित करने के लिए इसमें चुनिंदा विदेशी भागीदार को शामिल करने का फैसला किया है जिससे कुल 52,878 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में यहां बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि आईडीबीआई बैंक के पुनर्गठन से मिलने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश देश में किसी एक सौदे में आने वाला अब तक का सबसे बड़ा एफडीआई होगा।



सरकार ने बताया कि कनाडा की फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स आईडीबीआई बैंक की 60.72 हिस्सेदारी खरीदेगी। पुनर्गठित संस्थान में सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की संयुक्त हिस्सेदारी घटकर 34 प्रतिशत रह जाएगी। इसमें सरकार की भागीदारी 15 प्रतिशत और एलआईसी की 19 प्रतिशत होगी। श्री वैष्णव ने कहा, ‘34 प्रतिशत की हिस्सेदारी (फैसलौ पर) नियंत्रण की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण भागीदारी है।’ इस समय आईडीबीआई बैंक में संयुक्त रूप से सरकार और एलआईसी के पास 94.71 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जून 2026 की शेयरधारिता के अनुसार, बैंक में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 45.48 प्रतिशत और एलआईसी की 49.24 प्रतिशत है।

राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना का नाम ‘प्रधानमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना’, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना का नाम ‘प्रधानमंत्री विधवा पेंशन योजना’ और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांगता पेंशन योजना का नाम ‘प्रधानमंत्री दिव्यांगजन पेंशन योजना’ कर दिया गया है। राष्ट्रीय परिवार लाभ

सीएम योगी ने सुशासन से यूपी के विकास को दी नई गति : रामनाथ कोविंद

प्रशंसा की। पूर्व राष्ट्रपति बुधवार को लोकभवन सभागार में अपनी आत्मकथा ‘भारतीय गणतंत्र की विजयागाथा: मेरा जीवन, मेरा संघर्ष’ के हिंदी संस्करण के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में उपस्थित अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक अवसर है। इससे पहले अनेक मंचों से लोगों को संबोधित किया, लेकिन आज चर्चा का विषय उनका अपना जीवन है। इसी प्रदेश में जन्मे, यहीं की मिट्टी में पले-बढ़े और शिक्षा प्राप्त की। उत्तर प्रदेश ही उनकी कर्मभूमि भी बना। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति के लिए भाजपा को चुनने का प्रमुख कारण पार्टी में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना है। यहां जातिवाद, क्षेत्रवाद और वंशवाद से ऊपर उठकर समावेशी विकास पर बल दिया जाता है। इसी पार्टी में साधारण शिक्षक का पुत्र अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री, कल्याण सिंह मुख्यमंत्री, गरीब परिवार में जन्मे योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं।



ओपन सर्च. संवाददाता

लखनऊ। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में हुए विकास कार्यों और सुशासन की सरहना की। उन्होंने कहा कि सीएम योगी ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था और विकास कार्यों को नई ऊर्जा दी है। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के प्रयासों को अभूतपूर्व गति मिली है। एयरपोर्ट, एक्सप्रेसवे और मेट्रो जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से आवागमन सुगम हुआ है। सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से गरीब परिवारों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने प्रदेश को एक डिवेलपिंग इंडियन की अर्थव्यवस्था बनाने के मुख्यमंत्री योगी के संकल्प की भी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की बड़ी सौगात

जशपुरनगर में 11.83 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा हार्डटेक बस स्टैंड

ओपन सर्च. संवाददाता



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में यात्री सुविधाओं के विस्तार और सार्वजनिक परिवहन अधोसंरचना को मजबूत बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है। मुख्यमंत्री साय की पहल पर जिला मुख्यालय जशपुरनगर में 11 करोड़ 83 लाख 62 हजार रुपये की लागत से हार्डटेक बस स्टैंड का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए स्वीकृति प्रदान कर दी गई है और वर्तमान में टेंडर प्रक्रिया जारी है। लगभग तीन एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाला यह आधुनिक बस टर्मिनल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ शहर की परिवहन व्यवस्था को नया स्वरूप देगा। लंबे समय से आधुनिक बस स्टैंड की प्रतीक्षा कर रहे जिलेवासियों के लिए यह परियोजना महत्वपूर्ण सौगात साबित होगी। जशपुरनगर के वार्ड क्रमांक 8 स्थित पुराने मवेशी बाजार परिसर में हार्डटेक बस स्टैंड का

का आवागमन होता है और पांच हजार से अधिक यात्री सफर करते हैं। यह से जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अलावा पड़ोसी राज्यों झारखंड, ओडिशा, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित अन्य स्थानों के लिए बस सेवाएं संचालित होती हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आधुनिक सुविधाओं से युक्त बस स्टैंड की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। नए बस स्टैंड के निर्माण से इस आवश्यकता की पूर्ति होगी। प्रस्तावित हार्डटेक बस स्टैंड की यात्रियों की सुविधा और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जाएगा। यहां आधुनिक यात्री प्रतीक्षालय, सुव्यवस्थित वेटिंग हॉल, टिकट काउंटर, लिफ्ट और आधुनिक शौचालय सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यात्रियों को बसों के आगमन और प्रस्थान की जानकारी आसानी से मिल सके, इसके लिए डिजिटल सूचना स्क्रीन लगाने की भी योजना है।

अपहरण का सिग्नल मिलने के बाद एयर इंडिया के विमान की जयपुर में आपात लैंडिंग

नई दिल्ली.एजेंसी

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के एक विमान की बुधवार सुबह ‘सुरक्षा कारणों से’ जयपुर में आपात लैंडिंग कराई गई। सूत्रों के मुताबिक, अहमदाबाद एटीसी ने बताया कि उसे विमान से अपहरण सिग्नल मिला था। इसके बाद उसे जयपुर डायवर्ट करने का निर्देश दिया गया। यह बोइंग 787-9 ड्रैगमैनर विमान था जिसकी क्षमता तकरीबन 300 यात्रियों की है।

एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि विमान की जयपुर हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग हुई। सुरक्षा जांच के बाद विमान को उड़ान भरने के लिए मंजूरी मिल गई है। बाद में दोपहर बाद 3.12 बजे विमान की दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग हुई। विमान का दिल्ली पहुंचने का समय



सुबह 10.40 बजे था। इससे पहले प्रवक्ता ने जारी बयान में कहा था, ‘एयर इंडिया की फ्रैंकफर्ट से दिल्ली आ रही उड़ान एआई2030 को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 14 अक्टूबर को जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। विमान जयपुर में सुरक्षित उतरा। संबंधित सुरक्षा एजेंसियों ने जरूरी जांच-पड़ताल की और विमान तथा

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और चुनाव आयोग से लेकर सिपाही तक को सजा दिलाए। इस दौरान उन्होंने कहा, ‘जैसा कि मैंने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह भारत है। अमित शाह जी, इसे अच्छी तरह देखिए। यहां कोई हिंदू नहीं, कोई मुसलमान नहीं, किसी खास जाति का कोई नहीं, कोई महिला नहीं, कोई पुरुष नहीं। एक ही आवाज है, एक ही विरोध है। यह भारत की आवाज है और आप इस आवाज के खिलाफ खड़े हैं। प्रधानमंत्री इस आवाज के खिलाफ खड़े हैं। मैं आपको सुझाव देता हूँ कि इस आवाज के खिलाफ मत खड़े होइए। कोई भी इस आवाज के खिलाफ नहीं खड़ा हो सकता।’ राहुल गांधी ने पुलिसकर्मियों को लेकर कहा, ‘मैंने सभी छात्रों से कहा है कि वोइडो रिकॉर्ड रखें और वह सबूत हमें भेजें। जब वह पूरा मामला खत्म

‘प्रधानमंत्री से लेकर सिपाही तक को दिलाएं सजा’, प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली.एजेंसी



होगा, तो हम उन सभी सबूतों का उपयोग करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जिसे सजा मिलनी चाहिए उसे सजा मिले। प्रधानमंत्री से लेकर ज्ञानेश कुमार, अमित शाह और यहां तक कि वह सिपाही भी जो हमारे बच्चों पर हाथ उठा रहे हैं उन्हें सजा मिलेगी। बस आप सारे सबूत रखाएं अपने पास। वहीं, राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने साथ कुछ बच्चों को भी लाए थे। उन्हीं में से एक बच्चे धर्मेन्द्र कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पुलिसकर्मियों ने हमसे कहा कि बोलो, दिल्ली पुलिस तुम्हारे पापा हैं। हमें बहुत मारा गया, हमसे अंकित कसाना नाम के एक पुलिसवाले ने कहा कि बुला ले अपने नेता को, तुम्हें कोई बचाने नहीं आया।

रेलवे के 11.4 लाख कर्मचारियों के लिए 78 दिन के बोनस की घोषणा

नई दिल्ली.ओपन सर्च

सरकार ने रेलवे के 11.4 लाख कर्मचारियों के लिए बुधवार को 78 दिन के उत्पादकता आधारित बोनस की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद बताया कि रेलवे के 11,40,770 अराजपत्रित कर्मचारी बोनस के पात्र हैं। इसके लिए 2,009.61 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक कर्मचारी के लिए 78 दिन का अधिकतम बोनस 17,951 रुपये होगा। रेलवे कर्मचारियों में ट्रेड मेनेटजर, लोको पायलट, ट्रेन मैनजर (पहले गार्ड), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, टेक्नीशियन, टेक्नीशियन हेल्पर, चाइंट्समैन, मंत्रालय के कर्मचारी और पुरा सी के अन्य कर्मचारी बोनस के पात्र होते हैं। यह बोनस हर साल दिया जाता है। श्री वैष्णव ने बताया कि रेलवे में इस समय 1.65 लाख विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है।

मोदी, जयशंकर की कनाडा की विदेश मंत्री से मुलाकात

नई दिल्ली.एजेंसी।

भारत यात्रा पर आई कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद ने बुधवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अलग-अलग मुलाकात की, जिनमें दोनों देशों के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा, ऊर्जा, शिक्षा, रक्षा और निवेश सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार साझा किए। श्री मोदी ने कनाडाई नेता से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर कहा कि कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद से मिलकर खुशी हुई। उनके साथ भारत-कनाडा संबंधों को व्यापार, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा, ऊर्जा, शिक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में और मजबूत करने पर उपयोगी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कनाडा के साथ रचनात्मक और भविष्य को ध्यान में रखकर रणनीतिक साझेदारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बलाया कि बार-बार सार्वजनिक शांति
भंग करने और कानून तोड़ने की
कोशिशों को देखते हुए, आशुतोष
रंका, सोरब दास और अजंक्य शिंदे
को कानून के संबंधित एहतिगतता
प्राप्ताधिकारों के तहत गिरफ्तार किया गया।
अधिकारियों ने कहा, 'सोशल मीडिया
के जरिए दूसरों को शांति ही गैर-कानूनी
गतिविधियों में शामिल होने के लिए
उत्तेजित करी उनकी कथित कोशिशों पर
भी विचार किया गया। था। मामले पर
विचार करने के बाद, एआईएम कोर्ट ने
कलदा (रिपोर्ट) के विवरण और
कानून के बार-बार उल्लंघन को देखते
हुए व इस गंभीर आशंका के आधार पर
कि जमानत पर हिा होने पर वे फिर से
कानून तोड़ें और दूसरों को भी कानून-
तोड़ों के लिए उत्तेजित करें, सोरब दास
और आशुतोष रंका को 5 दिन की
न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सम्पादकीय



डिजिटल युग की एक गंभीर चुनौती

वर्तमान युग विज्ञान और तकनीक का युग है। इंटरनेट, मोबाइल, ऑनलाइन बैंकिंग तथा सोशल मीडिया ने मानव जीवन को सरल और सुविधाजनक बना दिया है। आज शिक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य और प्रशासन जैसे लगभग सभी क्षेत्रों में डिजिटल तकनीक का उपयोग हो रहा है। किंतु तकनीकी विकास के साथ-साथ साइबर अपराधों और साइबर खतरों की समस्या भी तेजी से बढ़ रही है, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन गई है। साइबर खतरे अनेक रूपों में सामने आते हैं। हैकिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, पहचान की चोरी, बैंक खातों से धन की निकासी, निजी सूचनाओं का दुरुपयोग और कंप्यूटर प्रणालियों पर साइबर हमले इसके प्रमुख उदाहरण हैं। साइबर अपराधी अक्सर फर्जी संदेशों, नकली वेबसाइटों और आकर्षक प्रस्तावों के माध्यम से लोगों को अपने जाल में फँसाते हैं। विशेष रूप से डिजिटल जानकारी का अभाव और बिना जाँच-पड़ताल के लिंक पर क्लिक करने की आदत इन अपराधों को बढ़ावा देती है।

साइबर खतरों का प्रभाव केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है। इससे व्यक्ति की निजता भंग होती है, प्रतिष्ठ को क्षति पहुँचती है और मानसिक तनाव भी उत्पन्न होता है। सरकारी संस्थानों, बैंकों तथा आवश्यक सेवाओं पर होने वाले साइबर हमले राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग के साथ फर्जी आवाज, तस्वीर और वीडियो बनाकर लोगों को धमित करने का खतरा भी बढ़ रहा है।

इस समस्या से निपटने के लिए सरकार, सुरक्षा एजेंसियों, तकनीकी संस्थानों और आम नागरिकों को मिलकर प्रयास करना होगा। मजबूत पासवर्ड का प्रयोग, दो-स्तरीय प्रमाणिकरण, नियमित सॉफ्टवेयर अपडेट और निजी जानकारी को गोपनीय रखना आवश्यक है। किसी भी संदिग्ध लिंक, फोन कॉल या संदेश पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता की जाँच करनी चाहिए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में साइबर सुरक्षा संबंधी शिक्षा को बढ़ावा देना भी समय की माँग है। साथ ही, साइबर अपराधों की सूचना संबंधित अधिकारियों तक शीघ्र पहुँचाना आवश्यक है।

सरकार को साइबर सुरक्षा के लिए प्रभावी कानूनों, आधुनिक तकनीकी संसाधनों और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की व्यवस्था करनी चाहिए। नागरिकों में डिजिटल साक्षरता बढ़कर ही साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता उत्पन्न की जा सकती है। भारत में साइबर अपराध की शिकायत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर की जा सकती है।

यमन में सऊदी-हूती संघर्ष

डॉ. प्रियंका सौरभ

सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष पश्चिम एशिया की सबसे गंभीर सुरक्षा चुनौतियों में से एक है। यह संघर्ष यमन के लंबे समय से जारी गृहयुद्ध, राजनीतिक अस्थिरता, क्षेत्रीय शक्ति-संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक हितों का परिणाम है। वर्ष 2014 में हूती विद्रोहियों द्वारा यमन की राजधानी सना पर कब्जा करने के बाद संघर्ष ने व्यापक रूप ले लिया। मार्च 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के हस्तक्षेप ने इसे घेरलू राजनीतिक संकट से क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौती में बदल दिया। यद्यपि कूटनीतिक प्रयासों से तनाव कम करने की कोशिशें हुई हैं, फिर भी यह संघर्ष मानवीय सुरक्षा, समुद्री व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

इस संघर्ष का पहला प्रमुख कारण यमन में राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर शासन व्यवस्था है। वर्ष 2011 के अरब स्प्रिंग के दौरान व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह को सत्ता छोड़नी पड़ी। उनके उत्तराधिकारी अब्दरब्बुह मंसूर हादी एक प्रभावी और समावेशी शासन स्थापित करने में सफल नहीं हो सके। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और कमजोर सरकारी संस्थाओं ने राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया। परिणामस्वरूप, विभिन्न सशस्त्र समूहों और राजनीतिक शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ी, जिससे हूती आंदोलन के विस्तार के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनीं।

दूसरा प्रमुख कारण हूती आंदोलन की राजनीतिक और सामाजिक शिकायतें हैं। हूती आंदोलन, जिसे अंसार अल्लाह भी कहा जाता है, उत्तरी यमन के जैदी शिया समुदाय से उभरा। इसके समर्थकों ने राजनीतिक उन्मुखता, आर्थिक पिछड़ेपन और धार्मिक-सांस्कृतिक हानियों पर रखे जाने के विरुद्ध आवाज उठाई। समय के साथ यह आंदोलन एक शक्तिशाली सशस्त्र संगठन बन गया। हालाँकि इसकी जड़ें यमन की घेरलू परिस्थितियों में हैं, लेकिन इसके सैन्य विस्तार और प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक समूहों के साथ संघर्ष ने देश की अस्थिरता को और बढ़ाया।

वर्ष 2014 में हूतियों द्वारा राजधानी सना पर कब्जा करना संघर्ष का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने देश के कई अन्य क्षेत्रों में भी अपना प्रभाव बढ़ाया। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की स्थिति कमजोर हुई और राजनीतिक संक्रमण की प्रक्रिया बाधित हो गई। सऊदी अरब ने इस घटनाक्रम को अपनी दक्षिणी सीमा के निकट एक गंभीर सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा। यमन के साथ लंबी साझा सीमा होने के कारण सऊदी अरब को आशंका थी कि हूतियों का विस्तार उसकी क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है।

सऊदी अरब की सुरक्षा संबंधी चिंताएँ संघर्ष का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण हैं। हूतियों द्वारा सऊदी क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन हमलों तथा सैन्य ठिकानों एवं महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को निशाना बनाए जाने से दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ा। मार्च 2015 में सऊदी अरब ने हूतियों की बढ़ती शक्ति को रोकने और मान्यता प्राप्त यमनी सरकार को समर्थन देने के उद्देश्य से सैन्य हस्तक्षेप किया। हालाँकि इस हस्तक्षेप का घोषित उद्देश्य यमन की सरकार को बहाल करना था, लेकिन लंबे समय तक चले सैन्य अभियान से संघर्ष का समाधान और जटिल हो गया। इस संघर्ष का एक व्यापक भू-राजनीतिक कारण ईरान और सऊदी अरब के बीच क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा है। ईरान ने हूती आंदोलन को विभिन्न स्तरों पर राजनीतिक, तकनीकी और सैन्य समर्थन दिया है। सऊदी अरब इसे अपनी दक्षिणी सीमा के निकट ईरानी प्रभाव बढ़ने के रूप में देखता है।

सहमति बनना

व्यक्ति किसी से मिलता है तो अपने विचार प्रकट करता है दूसरे व्यक्ति के विचारों को सुनता है और फिर वह आपसी सहमति पर पहुँचता है परंतु इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है, कि अगर दो लोगों में आपकी सहमति हुई है तो वह हर मुद्दे पर आपसी सहमति जाता है क्योंकि दो लोगों का व्यवहार, विचार अलग-अलग होते हैं। जो समय-समय पर बदलते हैं।



कश्मिरा गुज्जर (खारी)

सौरभ वाण्यंत्र

सौरभ वाण्यंत्र

त्योहार भारतीय संस्कृति की आत्मा है। दीपावली जैसे पर्व केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक एकता और खुशियों के उत्सव भी हैं। दीपों की रोशनी, घरों की सजावट, मिठाइयों का आदान प्रदान और पूजा अर्चना हमारी सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन जब त्योहारों की खुशियां वायु प्रदूषण, सांस संबंधी बीमारियों और बच्चों बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर संकट बनकर सामने आने लेंगें, तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि उत्सव मनाने का तरीका कैसा हो। दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने एक बार फिर इसी महत्वपूर्ण सवाल को देश के सामने रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटाखों पर प्रतिबंध की मांग पर सुनवाई करते हुए कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। मुख्य न्यायाधीश सुर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि पटाखों से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करना जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। इस सुनवाई में वरिष्ठ अधिवक्ता और न्याय मित्र अपराजिता सिंह की टिप्पणी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्होंने कहा कि यदि भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जाएंगे। इस कथन का मूल संदेश स्पष्ट है कि धार्मिक आस्था का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, न कि ऐसा कोई व्यवहार जो दूसरों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए पेशानी पैदा करे। धर्म और परंपरा के नाम पर किए जाने वाले किसी भी कार्य पर विचार करते समय उसके सामाजिक प्रभावों को नजरअंदाज

नहीं किया जा सकता। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय रहा है।

वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और मौसम संबंधी परिस्थितियां प्रदूषण को प्रभावित करती हैं। दीपावली के दौरान पटाखों से निकलने वाला धुआं और सूक्ष्म कण इस समस्या को और बढ़ा सकते हैं। इसका प्रभाव



विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, दमा और अन्य सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ सकता है। प्रदूषण का संकट किसी एक परिवार या वर्ग तक सीमित नहीं रहता। पटाखे जलाने वाला व्यक्ति कुछ मिनटों के उत्साह के बाद सामान्य जीवन में लौट सकता है, लेकिन उससे निकलने वाले धुएं का असर आसपास रहने वाले लोगों को भी झेलना पड़ सकता है। ऐसे में व्यक्तिगत खुशी और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन स्थापित करना समाज

की सामूहिक जिम्मेदारी बन जाता है। यह भी समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल पटाखों को जिम्मेदार ठहराकर बाकी स्रोतों की अनदेखी करना समाधान नहीं है।

यदि सरकार वास्तव में दिल्ली-एनसीआर की हवा को स्वच्छ बनाना चाहती है, तो उसे सालभर प्रदूषण फैलाने वाले सभी प्रमुख स्रोतों पर प्रभावी कार्रवाई करनी होगी। पटाखों पर नियमों के साथ-साथ वाहनों, निर्माण स्थलों,



औद्योगिक इकाइयों और खुले में कचरा जलाने जैसी गतिविधियों पर भी नियंत्रण आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी संकेत दिया कि किसी आदेश को लागू करने से पहले उसकी व्यावहारिकता पर विचार करना जरूरी है। केवल प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी आवश्यक है कि नियमों का पालन कैसे कराया जाएगा, उत्त्पन्न करने वालों पर किस प्रकार कार्रवाई होगी और आम लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की क्या व्यवस्था

लोकतंत्र का गला घोटने का शातिराना प्रयास

निर्मल रानी

चुनावी धांधली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर पिछले 13 दिनों से राजधानी दिल्ली लगातार प्रदर्शनों से जूझ रही है। 10 अक्टूबर को जहां कॉकरोच जनता पार्टी ने सहित दिल्ली दलों के समर्थन से जंतर मंतर विरुद्ध दिनों के कई प्रमुख स्थलों पर बड़े प्रदर्शन किये वहीं 12 अक्टूबर का दिन विपक्षी इण्डिया गठबंधन द्वारा बुलाये गए विशाल रैली व प्रदर्शन के नाम रहा। 12 अक्टूबर के इस अभूतपूर्व प्रदर्शन को विपक्षी दलों की सबसे बड़ी रैली व प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

इस रैली व प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,राहुल गाँधी,प्रियंका गाँधी,विपक्ष-शक्तिद राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अतिरिक्त समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव , एन सी पी नेता सुप्रिया सुले, शिवसेना के संजय राउत, सी पी आई एम एल के दीपाकर भट्टाचार्य,आर जे डी के तेजस्वी यादव, तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी आदि अनेक बड़े नेता शामिल हुये। इस प्रदर्शन के दौरान भी जब दिल्ली पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर नेताओं को रोकने की कोशिश की, तो अखिलेश यादव, माह्मा मोइज़, राहुल गाँधी और प्रियंका गांधी समेत कई नेता बैरिकेड्स पर चढ़ गए, जिसके बाद पुलिस ने कई प्रमुख नेताओं को हिरासत में भी लिया। बाद में राहुल

गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दल इस मामले को लेकर याचिका दायर करने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। इस प्रदर्शन को रोकने या इसे विफल करने के लिये सरकार की ओर से हर संभव प्रयास किये गए। बल प्रयोग से लेकर सड़कों पर तूफ़ीली कीलों बिछाने, प्रदर्शनकारियों से लेकर अनेक आम राहगीरों तक को गिरफ्तार करने की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। कनाट प्लेस से लेकर संसद भवन तक का इलाका पुलिस छावनी में तब्दिल कर दिया गया।

देश के इतिहास का यह पहला प्रदर्शन था जिसे कवर करने से रोकने की ग़रज़ से अनेक प्रमुख मीडिया घरानों के पत्रकारों से लेकर कई स्वतंत्र व सोशल मीडिया जर्नलिस्ट्स व यू ट्यूबर्स को भी हिरासत में लिया गया। कई के साथ मारपीट भी की गयी। बी बी सी सहित अनेक पत्रकारों के साथ पुलिस बदसलूकी से पेश आती दिखाई दी। जिन मीडिया संस्थानों के पत्रकारों को दिल्ली में प्रदर्शन कवर करने के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया था उनमें बिजनेस स्टैंडर्ड, नवभारत टाइम्स, रॉयटर्स के अलावा स्कॉल, न्यूज टोन्ड्री, बूम, एमओ, मॉलिटिक्स इंडिया,उज्ज्य चरमा आदि के कई पत्रकार शामिल हैं। जाने माने पत्रकार परंजय गुहा ठाकुरता को भी दिल्ली में जबरन हिरासत में लिया गया जबकि ऑल्ट न्यूज़ के पत्रकार को अहमदाबाद में व स्कॉल के एक अन्य पत्रकार को पुणे में हिरासत में लिया गया। नवरात्रि के पहले ही दिन हो रहे इस आंदोलन

में ‘कई महिला पत्रकारों को पीटा,घसीटा गया और हिरासत में लिया गया। यहाँ तक कि कई महिला पत्रकारों ने तो पुलिस पर यौन हमले का भी आरोप लगाया। सवाल यह है कि क्या जनहित के कार्यकर्त्तों को कवर करना कोई अपराध है जिसकी वजह से पुलिस को यह सब करना पड़ा? जबकि इस प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए पत्रकार पेशेवर तरीके से अपना काम अंजाम दे रहे थे? भारत का संविधान पत्रकारों के रिपोटिंग करने, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दों को नागरिकों के सामने लाने के अधिकार की रक्षा करता है। अनुच्छेद 19(1)(ए) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है और प्रेस की स्वतंत्रता को भी इसी अनुच्छेद का हिस्सा माना गया है। ऐसे में क़ानून व्यवस्था के नाम पर इस तरह का तानाशाही रवैया ग़ैर संवैधानिक नहीं तो और क्या है ? क्या इसी भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल ‘मदर ऑफ़ डेमोक्रेसी’, बताया था बल्कि अपनी बातों के समर्थन में मीडिया से जुड़े कुछ आंकड़े भी बताए थे?

पिछले दिनों प्रदर्शन के दौरान जंतर मंतर,कनाट प्लेस व संसद मार्ग आदि कई जगहों पर जिसतरह से पत्रकारों के साथ पेश आया गया उसने तो उस आपातकाल के जुलूम को भी पीछे छोड़ दिया जिसे लेकर वर्तमान सरकार कांग्रेस को आज भी घेरेती रहती है। लोकतान्त्रिक सरकार होने का दावा करने वालों

को यह बताना होगा कि जब भारत का संविधान पत्रकारों के रिपोटिंग करने, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दों को नागरिकों के सामने लाने के अधिकार की रक्षा करता है ऐसे में उन्हें अपने दायित्व निभाने से रोकने के क्या मायने हैं ? साफ़ जाहिर है कि सरकार देश में फैले सत्ता विरोधी जनक्रोध को देश व दुनिया से छुपाना चाहती है।

वह नहीं चाहती कि दुनिया को यह पता चले कि चुनावी धांधलियों के खिलाफ देश के लोग ख़ासकर युवा किस तरह सरकार का विरोध करते हुये सड़कों पर उतर आये हैं। और वह यह भी नहीं चाहती कि इस आंदोलन को कुचलने के लिये सरकार के इशारे पर की जा रही बर्बर पुलिस कार्रवाई को दुनिया देख सके। यही वजह है कि जहाँ दर्जनों पत्रकारों को पुलिस ने हिरासत में लिया,अनेक पत्रकारों के साथ बदसलूकी, मारपीट की कई महिला पत्रकारों के साथ अशोभनीय हरकतें कीं वहीं दर्जनों पत्रकारों को प्रदर्शन स्थल तक जाने से भी रोका गया।

एक और नई बात इस प्रदर्शन में यह भी देखने को मिली कि सत्ता प्रायोजित दर्जनों लोग पत्रकार की वेश में हाथों में माइक लिये इधर उधर घूमते नजर आये। यह लोग प्रदर्शन का विरोध करने या प्रदर्शनकारियों से बात करने के बजाये उन पत्रकारों को ही घेर कर सवाल पूछने लगते जोकि घटना की रिपोटिंग कर रहे या प्रश्नकारियों से सवाल पूछ रहे थे। ये उन

महिलाओं को बचत, ऋण, छोटे व्यवसाय और सामूहिक उद्यमों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं सिलाई-कढ़ाई, खाद्य प्रसंकरण, दुग्ध उत्पादन, मुगीपालन, बकरीपालन, मरुस्थल उत्पादन, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों के विपणन जैसे कार्यों में आगे बढ़ सकती हैं। लेकिन केवल ऋण उपलब्ध होना महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक, कच्चे माल, बाजार तक पहुंच, उत्पादों की उचित कीमत और व्यवसाय संबंधी मार्गदर्शन भी मिलना चाहिए। उनके उत्पादों को स्थानीय हाट-बाजारों से आगे बढ़ाकर ऑनलाइन मंचों और बड़े बाजारों तक पहुंचाने की व्यवस्था होने चाहिए।ग्रामीण महिला जब अपनी मेहनत से आय अर्जित करती है, तो उसके भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है। वह परिवार की आर्थिक मजबूती में भागीदार बनती है और सामाजिक निर्णयों में उसकी आवाज अधिक प्रभावशाली होती है। यही वास्तविक सशक्तीकरण की दिशा है। ग्रामीण महिलाओं की समस्याओं में स्वास्थ्य और पोषण का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। गर्भावस्था, प्रसव, रक्ताल्पता, कुपोषण, स्वच्छ पेयजल की कमी और स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच उनके जीवन को प्रभावित कर सकती है। कई महिलाएं परिवार की जरूरतों को अपनी आवश्यकताओं से ऊपर रखती हैं और बीमारी होने पर भी समय पर उपचार नहीं करती। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करना, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, नियमित स्वास्थ्य जांच, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। साथ ही, महिलाओं को स्वच्छता, मासिक धर्म स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य के विषयों पर भी सहजता से जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। घरेलू हिंसा, दहेज, बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव और सामाजिक अद्विधा भी ग्रामीण महिलाओं की प्रगति में बाधा बनती हैं। महिलाओं को कानूनी सहायता, शिकायत निवारण व्यवस्था और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करना समाज तथा प्रशासन दोनों की जिम्मेदारी है। महिला का सम्मान केवल धांपण और नारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उसके जीवन, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता और गरिमा को रक्षा व्यवहार में दिखाई देनी चाहिए। ग्रामीण महिला को विकास की योजनाओं का केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि उनका सक्रिय भागीदार बनाया जाना चाहिए। ग्रामसभा, पंचायत, सहकारी समितियां, किसान उत्पादक संगठनों और स्थानीय विकास योजनाओं में महिलाओं की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए।

रामनाथ कोविंद की आत्मकथा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत, उन्होंने अभावों को कभी ढाल नहीं बनाया : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को सोशल मीडिया की आभासी दुनिया से निकलकर पुस्तकों से जुड़ने की सीख दी। उन्होंने कहा कि आज लोग स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर पांच से सात घंटे बिता रहे हैं। इसमें से एक-दो घंटे भी अच्छी पुस्तकें पढ़ने में लगाएँ तो जीवन को नई दिशा मिल सकती है। सोशल मीडिया पर रील बनाकर लाइक्स जुटाने के बजाय अपनी स्थित लाइफ में आगे बढ़ना अधिक उपयोगी है।

अच्छी पुस्तकें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण मार्गदर्शक होती हैं। युवाओं को महापुरुषों की जीवनी और आत्मकथाएँ पढ़नी चाहिए, जिनसे संघर्षों के बीच आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को लोकभवन सभागार में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा ‘भारतीय गणतंत्र की विजयगाथा: मेरा



जीवन, मेरा संघर्ष’ के हिंदी संस्करण के विमोचन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसे भारतीय की जीवनगाथा है, जिसने अभावों को अपनी ढाल नहीं बनाया, बल्कि संघर्ष, परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया। यह आत्मकथा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की

प्रेरणा से प्रदेश की हर ग्राम पंचायत में पुस्तकालय की व्यवस्था की जा रही है। प्रदेश में 57,600 ग्राम सचिवालय बन चुके हैं।

इनमें एक कक्ष पुस्तकालय के लिए निर्धारित है, जहां गांव के बच्चे अध्ययन कर रहे हैं। डिजिटल लाइब्रेरी भी विकसित की जा रही है। बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों से लेकर महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों तक पुस्तकालयों का विस्तार हो रहा

मुख्यमंत्री योगी ने लोकभवन सभागार में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा ‘भारतीय गणतंत्र की विजयगाथा : मेरा जीवन, मेरा संघर्ष’ के हिंदी संस्करण के विमोचन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसे भारतीय की जीवनगाथा है, जिसने अभावों को अपनी ढाल नहीं बनाया, बल्कि संघर्ष, परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया

है। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति की आत्मकथा भी व्यापक स्तर पर पुस्तकालयों तक पहुंचनी चाहिए। सरकार इस दिशा में प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के पुस्तक मेलों का उल्लेख करते हुए कहा कि शुरुआत में आयोजकों को आशंका थी कि आज के दौर में पुस्तकें कौन खरीदेगा। लखनऊ में पुस्तक मेला लगा तो बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इसके बाद गोरखपुर में उससे भी अधिक पुस्तकें बिकीं। हाल में लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पुस्तक मेले में भी युवाओं और विद्यार्थियों की अच्छी भागीदारी रही। उन्होंने कहा कि लोगों में पढ़ने की

रुचि है, जरूरत उन्हें उचित मंच उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि कानपुर के परौख गांव में जन्मे रामनाथ कोविंद ने बचपन में ही मां को खो दिया। गांव के विद्यालय से पढ़ाई शुरू की और उच्च शिक्षा प्राप्त कर अधिवक्ता के रूप में गरीबों तथा वंचितों की आवाज बने।

भाजपा संगठन, राज्यसभा, बिहार के राज्यपाल और राष्ट्रपति के रूप में जिम्मेदारियां निभाईं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बड़ा वही होता है जिसमें संघर्ष का जज्बा हो। विपरीत परिस्थितियों से पलायन के बजाय उनका मुकाबला करना महानता की पहचान है। सीएम योगी ने

बिहार : गैस रिसाव के बाद लगी भीषण आग, 2 मासूम बच्चों की मौत, 17 लोग झुलसे, कई गोरखपुर रेफर

गोपालगंज (एजेंसी)

बिहार के गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के सफियाबाद गांव में गैस रिसाव के बाद आग लगने से दर्दनाक हादसा हो गया। इस भीषण दुर्घटना में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हो गईं।

घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि गंभीर रूप से झुलसे कई लोगों को बेहतर इलाज के लिए उत्तर प्रदेश के गोरखपुर रेफर किया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा गैस रिसाव के बीच आग जलाने के दौरान हुआ। हालांकि, दुर्घटना की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। घटनास्थल के निरीक्षण और आधिकारिक जांच के बाद ही हादसे के कारणों की पुष्टि हो

सकेगी। घटना के बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया और सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए कई मरीजों को गोरखपुर भेजा गया है, ताकि उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कई प्रमुख जनप्रतिनिधि भी अस्पताल पहुंचे और घायलों के इलाज की स्थिति का जायजा लिया। बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, विधान परिषद सदस्य जनक राम, सदर विधायक सुभाष सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप गिरी उर्फ मंटू गिरी ने अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना देते हुए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने हादसे को बेहद दुःख और दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

नीला ड्रम हत्याकांड : सौरभ के परिजनों ने मुस्कान और साहिल को फांसी देने की मांग की



भी कोई कड़ी सजा हो, तो उन्हें वही दी जानी चाहिए। मुस्कान और साहिल को जब तक सजा नहीं मिल जाती तब तक कानून की लड़ाई लेंगे।’ सौरभ के भाई राहुल राजपूत ने कहा, हमारी मांग है कि उन्हें मौत की सजा दी जाए। अदालतों के चक्कर लगाते हुए 15-16 महीने बीत चुके हैं। हमने शुरू से ही यह केस इस इरादे से लड़ा है कि उन्हें मौत की सजा मिले। अगर दोनों को फांसी की सजा नहीं मिली तो

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में अपील करेंगे। जब तक मुस्कान और साहिल को मृत्युदंड नहीं मिलेगा, तब तक चैन की सांस नहीं लेंगे।

सजा से बचने के लिए मुस्कान परिवार और बेटी से मिलने का नाटक कर रही है। मुस्कान के माता-पिता ने किसी भी तरह की प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। बता दें कि करीब डेढ़ साल से मुस्कान के माता-पिता ने किसी से बात नहीं की है। जेल में बंद

बिहार में रिश्तों का कत्ल : भैंसुर ने छोटे भाई की पत्नी को गोली मारकर उतारा मौत के घाट, पुलिस जांच में जुटी

भोजपुर (एजेंसी)

बिहार के भोजपुर जिले में पारिवारिक विवाद के दौरान एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गडहनी थाना क्षेत्र के अगिआंव गांव में बुधवार सुबह हुई इस वादता में 40 वर्षीय सीमा देवी की मौत हो गई। हत्या का आरोप मृतका के भैंसुर सुमंत कुमार राय पर लगा है। वादत के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतका की पहचान अगिआंव गांव निवासी अमित कुमार राय की पत्नी सीमा देवी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सीमा देवी अपने पति के साथ दिल्ली में रहती थीं। उनके पति वहां एक निजी कंपनी में काम करते हैं। करीब पांच दिन पहले ही सीमा अपने बच्चों के साथ गांव आ गईं। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह घर के अंदर किसी बात

को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान सीमा देवी को पेट में गोली मार दी गई। गोली लगने से उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है। वहीं, सूत्रों के मुताबिक, संपत्ति विवाद भी हत्या की वजह हो सकता है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलने पर सदर एसडीपीओ-1 सुशील कुमार और गडहनी थानाध्यक्ष कमलजीत घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। एसडीपीओ-1 सुशील कुमार ने बताया कि सीमा देवी की हत्या उनके भैंसुर सुमंत राय ने की है और वह फिलहाल फरार है। उन्होंने कहा कि घटना की मुख्य वजह पारिवारिक विवाद है।

मेरठ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मेरठ में चर्चित ‘नीले ड्रम’ हत्याकांड मामले में बुधवार को अदालत उनपर फैसला सुनाएगी। मामले में दोषी ठहराई गई मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को कोर्ट सजा सुनाएगा। दोनों पर मुस्कान के पति सौरभ राजपूत की हत्या का आरोप है। सौरभ के परिजनों ने दोषियों को मृत्युदंड दिए जाने की मांग की है।

परिवार का कहना है कि यदि आवश्यक हुआ तो वे इस मामले में हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का भी रुख करेंगे। सौरभ राजपूत की मां ने मुस्कान और साहिल को फांसी देने की मांग की जाए। अदालतों के चक्कर लगाते हुए 15-16 महीने बीत चुके हैं। हमने शुरू से ही यह केस इस इरादे से लड़ा है कि उन्हें मौत की सजा मिले। अगर दोनों को फांसी की सजा नहीं मिली तो

बिहार : जर्जर नाव, मासूमों की मौत और मातम में डूबा गांव, दशहत्तर की खुशियां छीन ले गया हादसा

हाजीपुर (एजेंसी)

बिहार के वैशाली जिले के राधेपुर में नाव दुर्घटना ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। रामपुर श्यामचंद गांव के पास हुए इस दर्दनाक हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकांश बच्चे हैं। हादसे के बाद पूरे इलाके में चीख-पुकार और मातम का माहौल है। जिन घरों से बच्चे भोज खाने के लिए निकले थे, वहां अब अपनों को खाने का अहसास नहीं रह गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में हर तरफ गमगीन माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाव पर सवार होकर 20 से अधिक बच्चे और अन्य लोग भोज खाने जा रहे थे। इसी दौरान नाव क्षतिग्रस्त होने के कारण हादसा हो गया और उस पर सवार लोग नदी में डूबने लगे। घटना के बाद स्थानीय लोगों और बचाव दल की मदद से डूबे लोगों की तलाश शुरू की गई। अब तक 13 शव निकाले



जाने की सूचना है। हादसे में जान गंवाने वालों में बड़ी संख्या में बच्चों के शामिल होने से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। बुधवार को फिर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। दुर्घटनाग्रस्त नाव सरकारी थी और लंबे समय से जर्जर अवस्था में थी। नाव को बदलने के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष कई बार आवेदन दिए गए थे, लेकिन उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय

रहते नाव बदल दी गई होती, तो शायद इस दर्दनाक हादसे को टाला जा सकता था। हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों और ग्रामीणों के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना के बाद प्राशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव कार्य के साथ स्थिति को संभालने की कोशिश की गई। एक ही गांव के कई बच्चों की मौत ने लोगों को भीतर तक झकझोर दिया है। जिन परिवारों ने अपने बच्चों को भविष्य के सपनों के साथ बड़ा होते देखने की उम्मीद की थी, वे अब

अपने जिगर के टुकड़ों को खोने के सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया है। इस त्रासदी ने एक बार फिर नदी पार करने के लिए सुरक्षित नावों, समय पर रखरखाव और प्रशासनिक जवाबदेही की जरूरत को सामने ला दिया है। स्थानीय स्तर पर यह भी कहा जा रहा है कि बाढ़ के दौरान राधेपुर में रात के समय नाव परिचालन को लेकर प्रतिबंध और सावधानियां जारी की गई थीं। ऐसे में हादसे की परिस्थितियों, रात में नाव के

बिहार : वैशाली नाव हादसे के बाद डीएम ने कहा- नाव मालिक और जिम्मेदार अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

वैशाली। बिहार के वैशाली जिले के राधेपुर थाना क्षेत्र में हुए नाव हादसे में 13 बच्चों की मौत हो गई, जबकि छह लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। वैशाली की जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने बुधवार को बताया कि मृतकों में नौ बच्चियां और चार बच्चे शामिल हैं। सभी की उम्र 15 वर्ष से कम है।

हादसे के बाद प्रशासन ने नाव के मालिक और उसके परिचालन में शामिल लोगों के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने बताया कि नाव पलटने की घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस दौरान 13 शव बरामद किए

कहा कि सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचने के बाद भी रामनाथ कोविंद अपनी जन्मभूमि परौख से लगाव बना रहा। वह अक्सर मिलते ही गांव जाते हैं। पुराने साथियों और चाय-चाट वालों से भी उनके संबंध कायम हैं। उन्होंने गांव में शिक्षा सुविधाओं के विकास के लिए प्रयास किए।

वहां के विद्यालय भवन को विकसित कर राज्य सरकार को समर्पित किया गया, जिसे आवासीय विद्यालय के रूप में आगे बढ़ाया गया। मुख्यमंत्री योगी ने भगवान श्रीराम के जन्मभूमि प्रेम का उदाहरण देते हुए कहा कि जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं। उम्मुखमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति की आत्मकथा सार्वजनिक जीवन में शुचिता, सादगी और अहंकार से मुक्त रहने की प्रेरणा देती है। व्यक्ति कितना भी बड़ा पद प्राप्त कर ले, उसके संस्कार और विचार नहीं बदलने चाहिए। रामनाथ कोविन्द का जीवन इसका उदाहरण है।

यूपी : पशुधन भर्ती मामले में पूर्व प्रमुख सचिव योगेश कुमार गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2014 के पशुधन प्रसार अधिकारी भर्ती घोटाले में आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन प्रमुख सचिव और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी योगेश कुमार को गिरफ्तार किया है। 1980 बैच के अधिकारी योगेश कुमार को बुधवार को लखनऊ के गोमती नगर से गिरफ्तार किया गया। उन पर भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने और ओएमआर शीट के मूल्यांकन व मेरिट सूची तैयार करने में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले में कार्रवाई की गई है। वर्ष 2014 के पशुधन प्रसार अधिकारी भर्ती घोटाले में आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन ने तत्कालीन प्रमुख सचिव एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी योगेश कुमार को गिरफ्तार किया है।

भर्ती प्रक्रिया के दौरान योगेश कुमार पशुपालन विभाग में प्रमुख सचिव के पद पर कार्यरत थे। ईओडब्ल्यू के मुताबिक, उन्हें लखनऊ के गोमती नगर से गिरफ्तार किया गया है। पशुपालन विभाग में हुई इस भर्ती में कुल 1,198 पशुधन प्रसार अधिकारियों के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। शासन ने सहारनपुर मंडल को छेड़कर प्रदेश के 17 मंडलों में इन पदों पर भर्ती की स्वीकृति दी थी। इसके लिए दो फरवरी 2014 को लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित सेवा नियमावली के प्रावधानों का पालन नहीं किया गया और ओएमआर शीट के मूल्यांकन से लेकर मेरिट सूची तैयार करने तक अनियमितताएं की गईं। ईओडब्ल्यू की जांच में सामने आया कि मंडलीय चयन समितियों के अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर ओएमआर शीट के केंद्रीकृत मूल्यांकन करने के लिए रायबरेली स्थित फिरोज गांधी इंस्टीट्यूट को नामित किया गया था। आरोप है कि नियमों के विपरीत फैसेले लेकर ओएमआर शीट में छेड़छाड़ की गई, जिससे पात्र अर्थार्थियों को नुकसान पहुंचा और अपात्र अर्थार्थियों को लाभ मिला।



नई जिम्मेदारी संभालने के कुछ घंटों बाद ही भाजपा नेता के फार्महाउस में 50 लाख की डकैती

कानपुर (एजेंसी)

भाजपा नेता रमेश यादव को पार्टी के पिछड़ मोर्चा का प्रदेश सचिव बनाए जाने की खुशी उस समय फीकी पड़ गई, जब कानपुर स्थित उनके फार्महाउस में देर रात डकैती हो गई। नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें बांधकर लाशभंग 50 लाख रुपए नकद और अन्य कीमती सामान लूट लिया। रमेश यादव लखनऊ में अपनी नई जिम्मेदारी संभालने के बाद व्यस्त दिन बितानकर सैन-परिचम पारा क्षेत्र स्थित अपने फार्महाउस लौटे थे। कानपुर शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित इस फार्महाउस में मंगलवार देर रात कुछ अज्ञात लोग कथित तौर पर घुस गए। पुलिस को दिए बयान में यादव ने बताया कि फार्महाउस में घुसते ही बदमाशों ने उन्हें काबू कर लिया और उनके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद उन्होंने पूरे घर की तलाशी ली और लगभग 50 लाख रुपए की नकदी व कीमती सामान लेकर फरार



हो गए। यह घटना इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि पीड़ित सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़े एक पदाधिकारी हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी रात में ही फार्महाउस पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। रमेश यादव को 1 अक्टूबर को भाजपा पिछड़ा मोर्चा का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया था।

उन्होंने सोमवार, 12 अक्टूबर को लखनऊ में अपना पदभार ग्रहण किया था। इसके बाद वे उसी शाम कानपुर लौटे और रात में कथित डकैती की घटना हुई। रमेश यादव पहले तीन बार ब्लॉक प्रभारी रह चुके हैं। उनकी पत्नी शशि यादव भी इस

जेएसएससी-सीजीएल : पेपर लीक मामले में दो आरोपियों को राहत नहीं, अदालत ने खारिज की जमानत याचिका

रांची (एजेंसी)

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की संयुक्त स्नातक स्तरीय (सीजीएल) परीक्षा के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले में अदालत ने दो आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की ओर से अदालत में पेश किए गए साक्ष्यों के आधार पर सफल अभ्यर्थी सह एजेंट रामकृष्ण कुमार सिंह और एजेंट रितिश कुमार सिंह को जमानत देने से इनकार कर दिया गया। सीआईडी ने अदालत को बताया कि गिरिडीह जिले के धनवार थाना क्षेत्र के कटरियाटांड निवासी रामकृष्ण कुमार सिंह ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा पास कराने वाले सिंडिकेट को पैसे देने के लिए अपनी पुरैतनी जमीन तक गिरवी रख दी थी। इतनी बड़ी रकम देने के बावजूद उसका नाम अंतिम

मेधा सूची में शामिल नहीं हो सका, जबकि वह दस्तावेज सत्यापन में सफल रहा था। पुलिस ने उसे 26 सितंबर को गिरफ्तार किया था।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने साथ-साथ अन्य अभ्यर्थियों की भी सेंटिंग कराई थी। इसके लिए उसने जमानत के तौर पर अभ्यर्थियों के मूल शैक्षणिक प्रमाणपत्र बंधक के रूप में जमा करवाए थे। सीआईडी के अनुसार, 25 दिसंबर 2024 को दस्तावेज सत्यापन के दौरान प्रमाणपत्र सौंपने से लेकर सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने तक सिंडिकेट के साथी अभ्यर्थियों के साथ मौजूद रहे, ताकि कथित फर्जीबाड़े का खुलासा न हो सके। मामले का दूसरा आरोपी रितिश कुमार सिंह परीक्षा धांधली के सिंडिकेट के कथित मुख्य सूत्रधार मिथिलेश सिंह का करीबी रिश्तेदार है। सीआईडी की जांच में सामने आया कि रितिश खुद भी परीक्षा का अभ्यर्थी था।

75 और 97 ही नहीं गौतम गंभीर की 137 रन की पारी भी है यादगार, न्यूजीलैंड में टाली थी भारत की हार

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर बतौर क्रिकेटर भी टीम इंडिया के लिए बेहद सफल रहे हैं। अपने समय के बेहतरीन ओपनर रहे गंभीर के करियर की सबसे यादगार पारियों में टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 75 और वनडे विश्व कप 2011 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ खेली 97 रन की मैच-विजयी पारियां हमेशा अहम रहेंगी, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में भी गंभीर ने ऐसी कई पारियां खेली हैं, जो बतौर बल्लेबाज उनकी संपूर्णता का उदाहरण हैं।

गौतम गंभीर ने अपने टेस्ट करियर में देश और विदेश में कई प्रशंसनीय पारियां खेली हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के नेपियर में 2009 में खेली गई 137 रन की पारी उनके टेस्ट करियर की सबसे अद्भुत और बेहतरीन पारी मानी जाती है। गंभीर की उस पारी ने भारत को हार से बचाया था। न्यूजीलैंड ने उस टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 619 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। भारतीय टीम पहली पारी में 305 रन पर आउट होकर फॉलोऑन खेलने को मजबूर थी। भारत के लिए जरूरी



था कि दूसरी पारी में अच्छी शुरुआत मिले, नहीं तो हार तय थी। भारतीय पारी की शुरुआत करने गंभीर सहवाग के साथ उठे थे। सहवाग ने 22 रन बनाकर अपना विकेट गंवा दिया। इसके बाद गंभीर ने राहुल द्रविड़ (62) के साथ दूसरे विकेट के लिए 133 रन की साझेदारी की। इस दौरान दोनों ने 376 गेंद खेलीं। द्रविड़ के आउट होने के बाद गंभीर ने तेंदुलकर (64) के साथ तीसरे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की। इस दौरान दोनों ने 191 गेंद खेलीं। इसके बाद गंभीर ने लक्ष्मण के साथ चौथे विकेट के लिए 96 रन जोड़े। दोनों ने इस दौरान 289 गेंद खेलीं। गंभीर चौथे

विकेट के रूप में 436 गेंदों पर 137 रन की पारी खेलकर आउट हुए।

गंभीर का विकेट गिरने के बाद वीवीएस लक्ष्मण (नाबाद 124, 212 गेंद) और युवराज सिंह (नाबाद 54, 63 गेंद) ने बचा हुआ समय सफलतापूर्वक निकालकर मैच बचा लिया। मैच समाप्ति के समय भारत का स्कोर 4 विकेट पर 476 रन था। इस मैच में द्रविड़, सचिन, लक्ष्मण और युवराज सभी ने अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन गंभीर की 436 गेंदों पर खेली 137 रन की पारी और क्रीज पर गुजारे 643 मिनट भारत की इस टेस्ट में हार टालने की अहम वजह रहे। गंभीर की इस पारी को उनके टेस्ट

कोच के रूप में दूसरी पारी

गंभीर अब भारतीय क्रिकेट में कोच के रूप में अपनी दूसरी पारी खेल रहे हैं। वह नौ जुलाई 2024 को भारतीय टीम के हेड कोच बने थे। उनके कार्यकाल में भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता। उनका मौजूदा कार्यकाल वनडे विश्व कप 2027 तक है। 14 अक्तूबर 1981 को दिल्ली में जन्मे गंभीर के करियर में विश्व कप फाइनल के अहम रन और नेपियर की संघर्षपूर्ण पारी, दोनों की अपनी खास जगह है। एक ने भारत को विश्व चैंपियन बनाने में मदद की, तो दूसरी ने मुश्किल हालात में टेस्ट मैच बचाने का रास्ता दिखाया।

643 मिनट की बल्लेबाजी, जिसने बचाया टेस्ट

इस मुकाबले में द्रविड़, सचिन, लक्ष्मण और युवराज ने भी अहम योगदान दिया, लेकिन गंभीर की पारी भारत को मैच में बनाए रखने की सबसे बड़ी वजहों में शामिल रही। उन्होंने क्रीज पर 643 मिनट बिताए और 436 गेंदों का सामना किया। यह सिर्फ शतक नहीं था, बल्कि मुश्किल परिस्थिति में टीम की जरूरत के मुताबिक बल्लेबाजी करने की मिसाल भी थी।

करियर की सबसे बेहतरीन पारी माना जाता है। 2003 से 2016 के बीच बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज गंभीर ने भारत के लिए 58 टेस्ट, 147 वनडे और 37 टी20 मैच खेले।

टेस्ट में 9 शतक और 22 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 4,154, वनडे में 11 शतक और 34 अर्धशतक लगाते हुए 5,238 रन और टी20 में 7 अर्धशतक लगाते हुए 932 रन बनाए। वनडे विश्व कप 2011 और टी20 विश्व कप 2007 में भारत को चैंपियन बनाने में यादगार

भूमिका निभाने वाले गंभीर ने 2018 में संन्यास ले लिया था। गंभीर बतौर कोच भारतीय क्रिकेट में अपनी दूसरी पारी खेल रहे हैं। गंभीर 9 जुलाई 2024 को भारतीय टीम के कोच बने थे। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और टी20 विश्व कप 2026 जीत चुकी है। उनका बतौर हेड कोच कार्यकाल वनडे विश्व कप 2027 तक है। 14 अक्टूबर 1981 को दिल्ली में जन्मे गंभीर बुधवार को अपना 45वां जन्मदिन मना रहे हैं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन पर हरमनप्रीत बोले-पहली बार मेरे पिता मुझे लाइव खेलते देखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि मैस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 भारतीय टीम के लिए एक खास अवसर है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब में खेला जाएगा और इसके साथ ही राज्य में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। भारत इस छह टीमों वाले टूर्नामेंट में मलेशिया, साउथ कोरिया, चीन, जापान और बांग्लादेश के साथ मुकाबला करेगा।

टूर्नामेंट का आयोजन जालंधर और मोहाली में किया जाएगा। 2023 में चेन्नई में आयोजन के बाद यह दूसरी बार होगा जब भारत पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा। हरमनप्रीत के लिए इस टूर्नामेंट का खास महत्व है क्योंकि भारतीय कप्तान को अपने गृह राज्य में परिवार के सदस्यों के सामने इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका मिलेगा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, यह पूरी टीम के लिए

भारत के पूर्व टेस्ट कप्तान अजिंक्य रहाणे ने लंदन में बकिंघम पैलेस के सामने ब्रिटेन के प्रिंस विलियम के साथ टेनिस-बॉल क्रिकेट खेलने को एक ऐसा अनुभव बताया है, जो उन्हें लंबे समय तक याद रहेगा। रहाणे उन मशहूर क्रिकेटरों में शामिल थे, जिन्हें प्रिंस विलियम ने 'द मॉल' (बकिंघम पैलेस के बाहर एक खास सड़क) पर एक फ्रेंडली मैच खेलने के लिए बुलाया था।

यह मैच 'अर्थशॉट प्राइज' अवॉर्ड सेरेमनी से पहले आयोजित किया गया था, जो 17 नवंबर को मुंबई में होगा। इस इवेंट में खेल उपात के कई बड़े नाम शामिल हुए, जिनमें भारत के पूर्व कप्तान सोरव गांगुली, वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा और इंग्लैंड के खिलाड़ी जो स्टूट और हैरी ब्रूक शामिल थे। बुधवार को लिंकवून एक पोस्ट में इस मौके को याद करते हुए रहाणे ने कहा कि इस अनाखी जगह ने अनुभव को खास बना दिया।

उन्होंने कहा, 'क्रिकेट मुझे दुनिया भर की कई शानदार जगहों पर ले गया है, लेकिन लंदन में 'द मॉल' पर, बैकिंग लंदन में बकिंघम पैलेस के साथ टेनिस-बॉल क्रिकेट खेलना एक ऐसा अनुभव है, जो मुझे लंबे समय तक याद रहेगा।' रहाणे ने कहा कि इस



जमावड़े ने भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच क्रिकेट के प्रति साझा जुनून का जश्न मनाया और साथ ही पर्यावरण से जुड़े एक अहम मुद्दे को भी उजागर किया। उन्होंने कहा, मंगलवार का दिन भारत और यूके के बीच खेल के प्रति साझा प्यार का जश्न मनाने का था, लेकिन इससे भी अहम बात यह थी कि एक ऐसे मुद्दे पर रेशनी डाली गई, जो खेल के मैदान से कहीं ज्यादा मायने रखता है।

प्रिंस विलियम के साथ समय बिताना और खेल के शानदार दोस्तों और दिग्गजों - सोरव गांगुली, ब्रायन लारा, जो स्टूट, हैरी ब्रूक, डैनी और उन सभी लोगों से मिलना सम्मान की बात थी, जिन्होंने पिच पर इतनी खुशियां बिखेरीं। रहाणे ने आगे कहा, हमने क्रिकेट की एकजुट करने वाली भावना, इंग्लैंड और भारत में खेलने

की अपनी यादों और भविष्य के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी के बारे में बात की। भारत के पूर्व कप्तान ने अगले महीने अपने शहर में अर्थशॉट प्राइज' के आने पर उत्साह भी जताया और धरती को बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, प्रकृति, साफ हवा, महासागरों, कचरा कम करने और जलवायु के मामले में हमारे ग्रह की मरम्मत और सुरक्षा के लिए उन्हीं मूल्यों की जरूरत है जो खेल हमें रोज सिखाते हैं: अनुशासन, सामूहिक प्रयास और सच्ची नीयत। प्रिंस विलियम ने 2020 में 'अर्थशॉट प्राइज' शुरू किया था। इसका मकसद पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों के लिए नए और अनाखे समाधान खोजना, उन्हें पहचानना और उन्हें बढ़ावा देना है।

राफेल जोडर का शानदार प्रदर्शन, शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले बने दूसरे युवा खिलाड़ी

शंघाई (एजेंसी)

राफेल जोडर ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए लगातार तीसरे मैच में एक सेट गंवाने के बाद वापसी की और शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह टूर्नामेंट इस सीजन के सबसे बड़े एटीपी मास्टर्स 1000 आयोजनों में से एक है। 20 वर्षीय जोडर ने नीदरलैंड्स के बोटिक वैन डी जैडशल्प को 2 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7(4), 6-4, 6-2 से हराया। पहला सेट हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और अगले दो सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ जोडर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। शंघाई मास्टर्स के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टर फाइनलिस्ट जैकब मेर्निसक हैं, जो 19 साल की उम्र में शंघाई मास्टर्स 2024 में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वैन डी जैडशल्प ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले



सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। इसके बाद उन्होंने टाई-ब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाते हुए शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, राफेल जोडर ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट से अपनी लय पकड़नी शुरू की। धीरे-धीरे उन्होंने मैच पर नियंत्रण बना लिया और शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एटीपी ट्रू की रिपोर्ट के अनुसार, यह उनका शंघाई में पहला टूर्नामेंट था। इस जीत के साथ एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हो गई हैं। 20

वर्षीय जोडर एटीपी ट्रू पर अपना पहला पूरा सीजन खेल रहे हैं और इस साल उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 41-16 हो गया है। वह फिलहाल 'एटीपी लाइव रेस टू टूर्नमेंट' में 11वें स्थान पर हैं और 10वें स्थान पर मौजूद नोवाक जोकोविच से केवल 131 अंक पीछे हैं।

जोडर पहली बार सीजन के प्रतिष्ठित एटीपी फाइनल्स में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जीत के बाद जोडर ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं सही चीजें कर रहा था, लेकिन उन्होंने टाई-ब्रेक में अहम प्वाइंट मुझे

बेहतर खेले। इसी कारण उन्होंने पहला सेट जीता। मुझे सिर्फ दो ब्रेक प्वाइंट मिले थे। दूसरे सेट में मैंने ब्रेक के साथ शुरुआत की, जिससे मुझे सेट में आगे बढ़ने और बेहतर स्थिति में आने में मदद मिली। आज का मैच जैसा रहा, उससे मैं बहुत खुश हूँ।' राफेल जोडर का अगला मुकाबला शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-एलियासिम या कैस्पेर रूड में से किसी एक खिलाड़ी के खिलाफ होगा। वहीं, दिन के बाद होने वाले मुकाबलों में डेनिल मेदवेदेव और स्टेफानोस सितरिपास आमने-सामने होंगे। दोनों खिलाड़ियों के बीच चौथे राउंड का यह मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे चर्चित मैचों में से एक माना जा रहा है। 2019 के चैंपियन डेनिल मेदवेदेव ने पिछले कुछ समय में शानदार वापसी की है। जब वह पिछले साल शंघाई मास्टर्स में खेले थे, तब उनकी विश्व रैंकिंग 18 थी। हालांकि, इस साल सेमीफाइनल तक पहुंचने और 43 मैच जीतने के बाद 2021 यूएस ओपन चैंपियन फिर से दुनिया के नंबर 6 खिलाड़ी बन गए हैं।

चैंपियंस लीग : बार्सिलोना ने गैलाटसराय को 4-1 से हराया, बायर्न म्युनिख और वाइकिंग का मैच ड्रॉ रहा

इस्तांबुल (एजेंसी)

बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत को जारी रखते हुए यूरोप के सबसे खतरनाक मैदानों में से एक आरएमएस पार्क में गैलाटसराय को 4-1 से हरा दिया। वहीं बायर्न म्युनिख को नॉर्वे में वाइकिंग एफके ने 3-3 से ड्रॉ पर रोककर बड़ा उलटफेर किया। इस्तांबुल में खेले गए मैच में मेजबान गैलाटसराय ने तेज शुरुआत की।

अलेक्सई ब्राजोविक के डिफेंडरकेड शॉट से गैलाटसराय ने बढ़त ले ली और पहले हाफ में बार्सा दबाव में दिखा। लेकिन हाफटाइम से ठीक पहले जोआओ कैसेलो ने सुझबुझ भरी फिनिश से स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे हाफ में बार्सिलोना पूरी



तरह बदल गया। कोच हांसी फ्लिक की टीम ने इंटरवल के बाद सिर्फ तीन मिनट में दो गोल दागकर मैच अपने काबू में कर लिया। पहले लैमन यामल ने शानदार खेल दिखाते हुए फ्रमिन लोपेज के लिए सटीक पास दिया, जिस पर लोपेज ने हेडर से गोल

किया। इसके तुरंत बाद यामल ने ही एंथनी गॉडॉन को गोल के लिए अस्मिस्ट किया। मैच के आखिरी हिस्से में सबस्टीट्यूट करीम अदेयेमी ने एक शानदार स्ट्राइक से चौथा गोल कर बार्सा की जीत पर मुहर लगा दी। इस जीत से बार्सिलोना ने लीग फेज में

वाइकिंग एफके के खिलाफ हमने बहुत गलतियां की : हैरी केन

स्टावगर (एजेंसी)

बेयर्न म्युनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने टीम की रक्षात्मक गलतियों पर निराशा जताई है। यूईएफए चैंपियंस लीग के ग्रुप स्टेज मुकाबले में बेयर्न म्युनिख को वाइकिंग एफके के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलना पड़ा, जबकि टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बढ़त हासिल कर ली थी।

केन ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जिससे बेयर्न ने 2-0 से पिछड़ने के बाद मैच में वापसी की। इसके बाद लुइस डियाज ने गोल करके टीम को बढ़त भी दिला दी। हालांकि, माइकल ओलिस को रेड कार्ड मिलने के बाद मुकाबले का रुख बदल गया और



बेयर्न को अंतिम समय में दबाव झेलना पड़ा। इसका फायदा उठाते हुए वाइकिंग एफके के हरमन हॉगन ने मैच के अंतिम चरण में बराबरी का गोल

कर दिया, जिससे मुकाबला 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ और दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। नतीजे पर प्रतिक्रिया देते हुए केन ने कहा कि

पहले हाफ में टीम संघर्ष करती दिखी, लेकिन ब्रेक के बाद खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके मुताबिक, दूसरे हाफ में बेयर्न ने इतना अच्छा खेल दिखाया कि वह मैच जीत सकता था।

हालांकि, रेड कार्ड और बाद की रक्षात्मक चूक के कारण टीम अपनी बढ़त कायम नहीं रख सकी और जीत हाथ से निकल गई। मैच के बाद केन ने कहा, पहला हाफ हमारे लिए खराब रहा, हमने दूसरे हाफ में बहुत बेहतर खेल दिखाया। हम बेहतर टीम थे, मौके बनाए और खेल को 3-2 से अपने पक्ष में कर लिया था।

फिर रेड कार्ड ने जाहिर तौर पर सब कुछ बदल दिया, खासकर आखिरी 15 से 20 मिनट में। हमने

एक अच्छी टीम के खिलाफ बहुत सारी आसान गलतियां कीं। जब आप इतनी बड़ी गलतियां करते हैं, तो आपको खामियाजा भुगतना पड़ता है। आज ठीक ऐसा ही हुआ।

शुरुआती दो मिनट में ही बेयर्न पिछड़ गई, जब जियानी स्टैनस्नेस ने कॉर्नर पर हेडर से वाइकिंग को बढ़त दिलाई। हाफ-टाइम से पहले पीटर क्रिस्टियनसेन ने काउंटर-अटैक पर चेरोलू टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। खेल फिर शुरू होने के बाद केन ने पेनल्टी स्पॉट से एक गोल किया और फिर हेडर से अपना दूसरा गोल करके बराबरी कराई। इसके बाद डियाज ने गोल दागते हुए मेहमान टीम की शानदार वापसी कराई।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा, केविन विकम को पहली बार मिला मौका

एंटीगुआ (एजेंसी)

बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। रोस्टन चेस की कप्तानी वाली टीम में केविन विकम को पहली बार मौका दिया गया है। सीरीज का पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से मीरपुर में और दूसरा 5 नवंबर को, सिलहट में शुरू होगा। केविन विकम को 2026 वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। 23 साल के इस बल्लेबाज ने चैंपियनशिप में लगातार तीन शतकीय पारियां खेली थीं। 25 प्रथम



श्रेणी मैचों में 40 से ऊपर की औसत से रन बनाने वाले केविन 6 टीम में वापसी की है। इसके अलावा, गर्मियों में श्रीलंका को हराने और पाकिस्तान के साथ ड्रॉ खेलने वाली स्वबाड में कोई बदलाव नहीं हुआ है। टीम में तीन तेज गेंदबाजी विकल्प, दो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर और दो विशेषज्ञ स्पिनर हैं।

सलाह के बाद सीरीज से हटा दिया गया है। जोसेफ की सहमति से, क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनके वर्कलोड को मैनेज करने का फैसला किया है। हालांकि, वह छोटे फॉर्मेट में टीम का हिस्सा है। ऑलराउंडर कोमो पोल को सीरीज के लिए जोसेफ की जगह बुलाया गया है। जॉन कैपवेल ने हेमिंग्स। इंजीरी से रिकवर करते हुए टीम में वापसी की है। इसके अलावा, गर्मियों में श्रीलंका को हराने और पाकिस्तान के साथ ड्रॉ खेलने वाली स्वबाड में कोई बदलाव नहीं हुआ है। टीम में तीन तेज गेंदबाजी विकल्प, दो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर और दो विशेषज्ञ स्पिनर हैं।

इतने साल बाद भी नहीं गया सोनाली बेंद्रे का डांस का डर, कहा-पता नहीं हम्मा-हम्मा कैसे कर लिया



अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे हाल ही में माधुरी दीक्षित के शो 'विजय रियलिटी शो 'कौन होणार करोड़पती' के ग्रैंड प्रीमियर में गेस्ट के तौर पर गई थीं। इस एपिसोड में उन्होंने अपने डांस फियर को लेकर एक बड़ा खुलासा किया। सोनाली ने बताया कि इतने साल इंडस्ट्री में रहने के बाद भी उन्हें आज भी डांस करने से डर लगता है। शो में बातचीत के दौरान माधुरी दीक्षित ने सोनाली बेंद्रे के सुपहिट गाने 'हम्मा हम्मा' में उनके डांस की तारीफ की। इस पर सोनाली हंसते हुए कहती हैं, 'देखो कौन कह रहा है। मेरी 'कौन होणार करोड़पती' की टीम से गुजारिश है कि कृपया वे मुझे ये क्लिप भेज दें, जिसमें माधुरी जी मेरे डांस की तारीफ कर रही हैं।' माधुरी ने सोनाली से पूछा, 'तुम्हें डांस से डर लगता था न? मैंने सुना है तुम्हें इसको लेकर खुरे सपने भी आते थे। तो तुमने इस डर को कैसे दूर किया?' इस पर सोनाली ने जवाब दिया, 'मैं आज भी इस डर से बाहर नहीं निकल पाई हूं। मैंने डांस करना ही छोड़ दिया।' माधुरी ने सोनाली से कहा, 'लेकिन तुमने तो 'हम्मा हम्मा' गाने में अच्छा डांस किया था' तो सोनाली कहती हैं, 'पता नहीं मैंने वो कैसे कर लिया।' इस पर माधुरी ने कहा, तुमने तो इस गाने पर कमाल का डांस किया था। सोनाली बेंद्रे का गाना 'हम्मा हम्मा' साल 1995 में आई सुपरहिट फिल्म 'बॉम्बे' में फिल्माया गया था। इस आइकॉनिक गाने को रेमो फर्नांडीस और स्वर्णलता ने गाया था जबकि ए.आर. रहमान ने कंपोज किया था। इस गाने में अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने एक विशेष कैमियो किया था, जिसने उन्हें काफी पहचान दिलाई थी। उनके साथ गाने में नागेंद्र प्रसाद (प्रभु देवा के भाई) भी नजर आए थे। सोनाली बेंद्रे ने 'बॉम्बे' के 'हम्मा हम्मा' में अपनी यादगार परफॉर्मेंस के अलावा, कई और पॉपुलर म्यूजिकल नंबरों में भी काम किया है, जिसमें आइकॉनिक मराठी फिल्म 'आगा बाई अरेच्या' का 'चम चम करता' भी शामिल है। उनका डांस और गाना दो दशक बाद भी फैस के बीच बहुत पॉपुलर है। (एजेंसी)

‘दीदी तेरा देवर दीवाना’ के इस सीन से घबराए थे मेकर्स, माधुरी दीक्षित ने सुनाया 30 साल पुराना किस्सा

माधुरी दीक्षित की फिल्म 'हम आपके हैं कौन...' बॉलीवुड की उन फिल्मों में शामिल है, जिनके गाने और सीन आज भी दर्शकों को याद हैं। साल 1994 में रिलीज हुई इस फिल्म में माधुरी और सलमान खान की जोड़ी को खूब पसंद किया गया था। फिल्म का गाना 'दीदी तेरा देवर दीवाना' भी काफी हिट हुआ था। इस गाने में माधुरी का अदाज और उनके कई सीन आज भी लोगों के बीच चर्चा में रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस गाने के एक खास सीन को शूट करने में टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी? दरअसल, फूल और गुलेल वाले इस सीन को सही तरीके से फिल्माने के लिए करीब 10 से 15 रीटेक लेने पड़े थे। फिल्म के मेकर्स को शुरुआत में यह भी चिंता थी कि कहीं यह सीन पढ़ें पर अजीब न लगे। हाल ही में माधुरी दीक्षित ने मराठी रियलिटी शो 'कोण होणार करोड़पति' में फिल्म से जुड़ा यह दिलचस्प किस्सा सुनाया। शो के दौरान हॉट सीट पर बैठें कंटेस्टेंट प्राजक्ता तावडे ने एक्ट्रेस को खास सरप्राइज दिया। प्राजक्ता कथक डांसर हैं और वह फिल्म 'हम आपके हैं कौन...' में माधुरी के एक आइकॉनिक लुक में नजर आईं। उनके इस अंदाज को देखकर माधुरी को फिल्म की शूटिंग के पुराने दिन याद आ गए। इसके बाद उन्होंने गाने 'दीदी तेरा



देवर दीवाना' के फूल और गुलेल वाले सीन के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि पढ़ें पर यह सीन भले ही आसान और मजेदार नजर आता हो, लेकिन इसकी शूटिंग के दौरान कई मुश्किलें आई थीं। माधुरी ने कहा, 'इस सीन को सही तरीके से शूट करने में हम करीब 10 से 15 रीटेक लगे थे। कभी हमारा निशाना चूक जाता था, कभी फूल टूट जाता था और कभी वह गुलेल से निकलकर दूर उड़ जाता था।' एक्ट्रेस ने कहा, 'मेकर्स इस सीन को लेकर काफी परेशान थे। वे सोच रहे थे कि कहीं यह खराब तो नहीं लगेगा या दर्शकों को अजीब तो नहीं लगेगा। कोरियोग्राफर्स और मैंने उन्हें समझाया कि यह कैमरे के एंगल पर निर्भर करता है और देखने में बहुत प्यारा लगेगा। हमने उन्हें भरोसा दिलाया कि हम इस सीन को क्यूट तरीके से शूट करेंगे। आखिरकार सीन शूट हुआ और यह बहुत खूबसूरत बना।' बता दें कि सूरज आर. बड़जाला के निर्देशन में बनी 'हम आपके हैं कौन...' साल 1994 में रिलीज हुई थी। फिल्म में माधुरी दीक्षित और सलमान खान मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। परिवार, प्यार और रिश्तों पर बनी इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला और समय के साथ यह कल्ट क्लासिक बन गई। (एजेंसी)



वर्ल्ड स्टूडेंट्स डे के मौके पर संदीपा धर ने अपने व्यक्तित्व को संवारने में शिक्षा और शिक्षकों की भूमिका को बताया अहम

मुंबई वर्ल्ड स्टूडेंट्स डे के मौके पर अभिनेत्री संदीपा धर ने अपनी जिंदगी में शिक्षा की अहमियत पर बात की और बताया कि किस तरह शिक्षा, उनके माता-पिता और शिक्षकों ने उनके व्यक्तित्व और सोच को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने सफर को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, उसमें उनकी शिक्षा का बड़ा योगदान है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी कॉमिडी सीरीज चुंबक को मिल रहे प्यार पर भी खुशी जाहिर की और बताया कि कैसे इस शो ने उन्हें एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने का मौका दिया। अपनी जिंदगी में शिक्षा की भूमिका पर

बात करते हुए संदीपा ने कहा, मुझे लगता है कि आज मैं जो भी हूँ, उसमें शिक्षा का बहुत बड़ा योगदान है। मेरे माता-पिता ने हमेशा यह सुनिश्चित किया कि मुझे अच्छी शिक्षा मिले। यहां तक कि जब मैं अभिनेत्री बनना चाहती थी, तब भी उन्होंने मुझसे कहा कि पहले अपनी मास्टर डिग्री पूरी करो और फिर जो करना है, वह करो। मुझे लगता है कि यह माता-पिता की बहुत आम प्रतिक्रिया होती है! अभिनेत्री ने आगे अपने टीचर्स के साथ स्कूल और कॉलेज के योगदान को भी स्वीकार किया, जिन्होंने उनकी सोच और व्यक्तित्व को निखारने में अहम भूमिका निभाई। सेंट जेवियर्स और जमनालाल बजाज में बिताए

अपने समय को याद करते हुए उन्होंने बताया कि प्रतिभाशाली प्रोफेसर्स से सीखना और पढ़े-लिखे लोगों के बीच रहना उनके लिए सौभाग्य की बात थी। उनके मुताबिक, शिक्षा सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह इंसांन के नज़रिए, विचारों और व्यक्तित्व को भी आकार देती है। संदीपा का मानना है कि उनके माता-पिता ने उन्हें अच्छी शिक्षा हासिल करने के लिए प्रेरित किया और साथ ही अपने सपनों को पूरा करने का रास्ता भी दिया। अभिनेत्री के सफर से यह बात सामने आती है कि शिक्षा और अपने जुनून को साथ लेकर चलना किस तरह किसी व्यक्ति के जीवन को एक

नई दिशा दे सकता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा इन दिनों अपनी कॉमिडी सीरीज चुंबक को मिल रहे प्यार का आनंद ले रही हैं, जिसमें वह किरण केजरीवाल की भूमिका निभा रही हैं। इससे पहले भावनात्मक रूप से गहरी भूमिकाएं निभा चुकीं अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि उनकी कॉमिडी पर दर्शकों की प्रतिक्रिया उनके लिए सुखद आश्चर्य रही है। उन्होंने कहा, मैंने पहले भावनात्मक रूप से गहरी भूमिकाएं निभाई हैं और लोगों ने चुंबक और मेरे किरदार किरण केजरीवाल को बहुत प्यार दिया है। मुझे नहीं पता कि इसमें उनके सरनेम का कोई योगदान था या फिर किरदार की वजह से ऐसा हुआ! (एजेंसी)



भारत-कनाडा के बीच व्यापार समझौते पर तेज हुई बातचीत, साल के अंत तक डील फाइनल करने के प्रयास

ओटावा (एजेंसी)

ओटावा में वार्ता के पांचवें दौर के बाद कनाडा और भारत ने एक व्यापक व्यापार समझौते के लिए बातचीत तेज की है। दोनों देशों के मंत्री प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं, ताकि साल के अंत से पहले एक समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके। ग्लोबल अफेयर्स कनाडा ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस सप्ताह नई दिल्ली में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की।

यह बैठक भारत में टीम कनाडा व्यापार मिशन के दौरान हुई, जिसके तहत एक बड़ा कनाडाई व्यापार प्रतिनिधिमंडल निवेश के अवसरों और वाणिज्यिक साझेदारियों को अंतिम रूप देने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर रहे हैं। हालांकि, इस बयान में



कनाडाई सरकार के अनुसार, मंत्रियों ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीडीपीए) के लिए चल रही बातचीत पर चर्चा की। यह बातचीत ओटावा में 5 से 9 अक्टूबर तक हुए पांचवें दौर की बातचीत को आगे बढ़ाने के मकसद से की गई। ग्लोबल अफेयर्स कनाडा ने कहा, 'दोनों देश पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर रहे हैं।' हालांकि, इस बयान में

वार्ता करने वाली टीमों के बीच मौजूद मतभेदों का उल्लेख नहीं किया गया और न ही अगले दौर की तारीख की घोषणा की गई। यह नवीनतम मॉन्रिस्टरीय बैठक मई 2025 के बाद से सिद्धू और गोयल के बीच नौवां बैठक थी। इस महीने की शुरुआत में मिल्वौकी में हुई जी-20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों के बीच हुई चर्चा के बाद इस दिशा में नए सिरे से प्रयास

किए जा रहे हैं। सिद्धू ने दोनों देशों के व्यवसायों को जोड़ने और वाणिज्यिक समझौतों को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से शुरू किए गए कनाडाई व्यापार मिशन का समर्थन करने के लिए गोयल को धन्यवाद दिया।

12 से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस मिशन में लगभग 300 प्रतिनिधि शामिल हैं और यह तीन दशकों से अधिक समय में भारत आने वाला कनाडा का सबसे बड़ा व्यापार प्रतिनिधिमंडल है। कनाडाई कंपनियां ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, एयरोस्पेस, कृषि बुद्धिमत्ता (एआई) और उन्नत विनिर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में अवसरों की तलाश कर रही हैं। ओटावा ने कहा कि यह वाणिज्यिक समझौता कनाडा की इंवे-पैसिफिक रणनीति और अमेरिका से बाहर निर्यात को काफी हद तक बढ़ाने के उसके उद्देश्य का समर्थन करता है।

भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे, किसी बड़ी बाधा की आशंका नहीं : पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं और दोनों देशों में राजनीतिक सोच में बदलाव होने के बावजूद यह साझेदारी आगे और मजबूत होती जाएगी। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध पहले से ही काफी मजबूत हैं और फिलहाल उन्हें कोई समस्या नजर नहीं आती।

उन्होंने कहा, मेरे विचार में दोनों देशों के बीच साझेदारी बेहद ठोस और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों बड़े लोकतांत्रिक देश हैं। यह याद रखना जरूरी है कि यह संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और मेरा मानना है कि आने वाले वर्षों में भी

वह ऐसा ही बना रहेगा। कुल मिलाकर, मुझे अमेरिका के साथ समझौते करने में कोई बड़ी बाधा दिखाई नहीं देती। मंत्री ने आगे कहा कि यह साझेदारी व्यापार से आगे बढ़कर रक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण आपूर्ति शृंखलाओं और लोगों के बीच मजबूत संपर्क तक फैली हुई है। उन्होंने कहा, हकीकत यह है कि भारत और अमेरिका के बीच बहुत करीबी संबंध हैं और दोनों कई क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। इनमें संयुक्त रक्षा अभ्यास और प्रौद्योगिकी, वस्तुओं तथा सेवाओं की खुली आपूर्ति शृंखलाओं को सुनिश्चित करने के लिए सहयोग भी शामिल है। भारत-अमेरिका संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं और मेरा मानना है कि दोनों देशों में राजनीतिक सोच में किसी भी बदलाव के बावजूद ये संबंध और मजबूत होंगे। गोयल ने कहा कि इस संबंध की मजबूती हमारी आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं से आती है।

भारत में 2026 के त्योहारी सीजन में कारोबार 7 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचने का अनुमान : कैट

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत में 2026 के त्योहारी सीजन (नवरात्रि से लेकर दीपावली तक) में कारोबार 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंचने का अनुमान है, यह पिछले साल के आंकड़े से 15-18 प्रतिशत है। यह जानकारी कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की ओर से दी गई। कैट के नेशनल सेक्रेटरी जनरल और चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह अनुमान अलग-अलग राज्यों के व्यापार संघों और बाजारों से मिली जानकारी, ग्राहकों की मांग, त्योहारों के दौरान खरीदारी के ट्रेंड और ग्रामीण व



अर्ध-शहरी इलाकों में बढ़ी हुई कमर्शियल गतिविधियों पर आधारित था। उन्होंने कहा कि पिछले साल त्योहारों के दौरान कुल कारोबार लगभग 6.05 लाख करोड़ रुपए का था, जिसमें 5.40 लाख करोड़ रुपए का सामान और 65,000 करोड़ रुपए की सेवाएं शामिल थीं। कैट के अनुसार, मौजूदा त्योहारी सीजन में सर्विस सेक्टर में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद है और

इसका कारोबार 80,000 करोड़ रुपए से 1 लाख करोड़ रुपए के बीच रहने का अनुमान है। त्योहारों के समय बढ़ने वाली मांग से ट्रांसपोर्टेशन, लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स डिलीवरी, वेयरहाउसिंग, होटल, रेस्टोरेंट, टूरिज्म, कैटरिंग, इवेंट मैनेजमेंट और लोकल ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टर को फायदा होने की उम्मीद है। कैट के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, त्योहारों के दौरान होने वाले व्यापार में ग्रासरी और फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, इसके बाद सोना, चांदी और ज्वेलरी का नंबर आता है जिनकी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत होगी।

डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति बढ़कर 11.39% पहुंची, आउटपुट पीपीआई भी बढ़

सितंबर में थोक महंगाई में तेज उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में थोक महंगाई सितंबर 2026 में और बढ़ गई है। बुधवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, थोक मूल्य सूचकांक (होलसेल प्राइस इंडेक्स-डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति सितंबर 2026 में बढ़कर 11.39 प्रतिशत हो गई, जो अगस्त 2026 में 9.92 प्रतिशत थी। यह लगातार बढ़ती लागत और कच्चे माल की कीमतों के दबाव को दर्शाता है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह लगातार दूसरा महीना है जब



थोक महंगाई में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सितंबर में सभी वस्तुओं का संयुक्त थोक मूल्य सूचकांक बढ़कर 112.5 पर पहुंच गया, जो अगस्त में 110.8 था। आंकड़ों के मुताबिक, महंगाई का दबाव केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा,

बल्कि प्राथमिक वस्तुओं, ईंधन और ऊर्जा तथा विनिर्माण क्षेत्र तीनों की कीमतों में वृद्धि देखने को मिली। सितंबर में प्राथमिक वस्तुओं की मुद्रास्फीति 8.67 प्रतिशत, ईंधन एवं ऊर्जा क्षेत्र की 25.85 प्रतिशत और विनिर्मित उत्पादों की 9.76 प्रतिशत

दर्ज की गई। अगस्त में ये दरें क्रमशः 7.76 प्रतिशत, 22.93 प्रतिशत और 8.37 प्रतिशत थीं। इससे स्पष्ट है कि लागत का दबाव उत्पादन श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर मौजूद है। प्राथमिक वस्तुओं का सूचकांक 120.3, ईंधन एवं ऊर्जा का 110.5 और विनिर्मित उत्पादों का 110.2 दर्ज किया गया, जो अगस्त के मुकाबले अधिक हैं। आंकड़ों के अनुसार, खनिज तेल, खाद्य पदार्थ, कच्चा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, कोयला एवं लिमाइट, बेसिक मेटलस, रसायन, वस्त्र, रबर एवं प्लास्टिक उत्पाद तथा विद्युत उपकरणों की कीमतों में बढ़ोतरी थोक महंगाई को ऊपर ले जाने वाले प्रमुख कारक रहे। विशेष चिंता की बात खाद्य महंगाई को

लेकर भी रही। डब्ल्यूपीआई फूड इंडेक्स, जिसमें प्राथमिक खाद्य वस्तुएं और निर्मित खाद्य उत्पाद दोनों शामिल हैं, सितंबर में 8.66 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा, जबकि अगस्त में यह 7.05 प्रतिशत था। इसका संकेत है कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में भी लागत का दबाव बना हुआ है, जिसका असर आगे चलकर खुदरा महंगाई पर भी दिखाई दे सकता है। वहीं, आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (पीपीआई) भी सितंबर में बढ़कर 112.5 पर पहुंच गया, जो अगस्त में 110.8 था। कृषि, वारिकी एवं मत्स्य पालन, खनन और विनिर्माण क्षेत्रों में उत्पादक मूल्य बढ़े हैं, जबकि विजली क्षेत्र का सूचकांक अपेक्षाकृत कम रहा।